इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
जिससे उग सकें फिर धूल सुनहरी फसलें,
मानवता की - जीवन श्रम से हँसे दिशाएँ
हम जैसा बोएँगे वैसा ही पाएँगे ।

(i) धरती को रत्न प्रसविनी क्यों कहा गया है ? [1½]

(ii) कवि ने धरती में किस तरह के दाने बोने की बात कही है ? उससे क्या होगा ? [3]

(iii) 'मानवता की फसलें' से कवि का क्या तात्पर्य है ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) 'हम जैसा बोएँगे वैसा ही पाएँगे' - पंक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं ? [3]

'आषाढ़ का एक दिन'

(7) नाटक के आधार पर 'प्रियगुमंजरी' का चरित्र चित्रण कीजिए। (चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए) [12½]

(8) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(9) "....ये पृष्ठ अब कोरे कहाँ है मल्लिका ? इन पर एक महाकाव्य की रचना हो चुकी है....अनन्त सर्गों के एक महाकाव्य की।"

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [1½]

(ii) प्रस्तुत कथन का सन्दर्भ बताते हुए वक्ता के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

(iii) वे पृष्ठ किसने, किस उद्देश्य से संभाल कर रखे थे ? [3]

(iv) इसे अनन्त सर्गों का महाकाव्य क्यों कहा गया है ? इस महाकाव्य में क्या-क्या वर्णित है ? [3]

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2018-2019

हिन्दी भाषा

कक्षा : XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट reading time **पूर्णांक : 100**

"हिन्दी भाषा"

1. किसी एक विषय पर लगभग 400 से 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए अथवा मौलिक कहानी लिखिए। **[20]**

(i) भारतीय संस्कृति में 'अतिथि' को देवता के समान माना जाता है, वर्त्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई दे रही है ? अतिथि कब बोझ बन जाता है और किस प्रकार ? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) काम को कल पर टालने से मन का भारीपन बढ़ता है, जबकि कल करने वाले काम को आज ही पूरा कर लेने से हमारी कार्य क्षमता बढ़ती है और मानसिक संतोष भी प्राप्त होता है। बताइए कि एक विद्यार्थी के लिए समय का क्या महत्त्व है ?

(iii) 'ट्यूशन का व्यापार आज शिक्षा का अनिवार्य अंग बनता जा रहा है।' उसके कारणों की विवेचना करते हुए इसके महत्त्व एवं अवगुणों पर प्रकाश डालिए।

(iv) केरल में आई बाढ़ के कारणों का उल्लेख करते हुए बताइए कि इससे केरलवासियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? आपने राहत कार्य में किस तरह हिस्सा लिया ? आपके विद्यालय द्वारा इस सम्बन्ध में क्या सहयोग दिया गया ?

{Turn Over}

Downloaded From www.icseboard.org

(v) निम्नलिखित उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए :-

(i) ''ईश्वर के घर देर है अंधेर नहीं''

अथवा

(ii) 'हँसते-हँसते मेरा बुरा हाल हो गया' – इस पंक्ति से कहानी का अंत कीजिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए – **[10]**

गुरु तत्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कहीं-न-कहीं, किसी-न-किसी रूप में उपस्थित होता है। लौकिक ज्ञान से लेकर ब्रह्मज्ञान तक, जन्म से लेकर मृत्यु तक गुरु की उपस्थिति बनी रहती है। कोई शिक्षक गुरु होता है तो कोई कुलगुरु। वस्तुतः गुरु सांस्कृतिक धरोहर है। गुरु ही संस्कारों को शुद्ध करते हैं। गुरु के आगमन से शिष्य के जीवन में उसके विचारों व सोच में परिवर्तन आता है। शिष्य की मनोदशा बदलती रहती है। यह सब गुरु की कृपा से संभव हो सकता है।

स्वयं तप चुका गुरु ही शिष्य को तपा सकता है यानि उसमें जागृति ला सकता है। तपने का अर्थ है – जागृति। स्वयं को समझने की शक्ति और सत्य को पाने की लालसा। गुरु केवल शिष्य को ज्ञानोपदेश नहीं देता है, बल्कि उसके अंदर अभिनव प्राण फूँकने का कार्य करता है। सच्चा शिष्य हमेशा अपने गुरु के प्रेम में भाव-विभोर रहता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि जो सजगता, सर्तकता और सचेतना उसके पास है वह गुरु की कृपा से है।

(2) 'मजबूरी' कहानी में किन-किन पात्रों की क्या-क्या मजबूरियाँ बताई गई हैं ? समझाकर लिखिए। पूरी कहानी मत लिखिए सिर्फ प्रसंगों के आधार पर अपनी बात स्पष्ट कीजिए।

(3) ''खबरदार जो उसे छुआ। नीचे उतरो, नहीं तो तुम्हारा सिर चूर किए देता हूँ। वह मेरी शरण में आया था.... न आना। मैं अकेले ही बहुत कर गुजरता हूँ। परन्तु बुंदेला शरणागत के साथ घात नहीं करता। इस बात को गाँठ बाँध लेना।''

(i) उक्त कथन का वक्ता कौन है ? उसने किस सन्दर्भ में ये बातें कहीं ? स्पष्ट कीजिए। [1½]

(ii) वक्ता किस व्यक्ति का पक्ष ले रहा था और क्यों ? [3]

(iii) 'बात को गाँठ में बाँधना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि यहाँ किस बात को गाँठ में बाँधने की बात हो रही थी? [3]

(iv) उपर्युक्त कथन के आधार पर कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।[5]

काव्य मंजरी

(4) 'बादल को घिरते देखा है' कविता में कवि ने बादलों के घिरने के परिप्रेक्ष्य में किन-किन दृश्यों का वर्णन किया है ? स्पष्ट कीजिए।

(5) 'नदी के द्वीप' कविता में कवि ने किन-किन प्रतीकों का सहारा लिया है ? और उसके माध्यम से क्या स्पष्ट करता चाहा है ?

(6) रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ चुका हूँ।
इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बाने हैं,

{Turn Over}

Downloaded From www.icseboard.org

सद्‌गुरु चाहे तो शिष्य की जीवन दशा व दिशा दोनों ही बदल सकता है। सद्‌गुरु अयोग्य शिष्य को भी योग्य बनाए रखने के सदैव उसके पीछे लगे रहते हैं। वे जानते हैं कि शिष्य को क्या चाहिए। वह उसकी योग्यता के अनुसार उसे देते भी हैं। धर्मगुरु अपने शिष्य को कभी ओझल नहीं होने देता है।

प्राचीन ऋषि-मुनियों ने न ही गुरु परंपरा को ओझल होने दिया है और न ही दिव्य शिष्य को। जहाँ प्रेम है वहाँ गुरु का प्रादुर्भाव है। गुरु बनने के साथ-साथ उसकी अपने प्रति तो जवाबदेही होती ही है, साथ ही समाज के प्रति उसे अपने दायित्व का बोध भी होना चाहिए।

आज के समय में एक सद्‌गुरु की शायद आवश्यकता और भी बढ़ गई है क्योंकि समाज निरंकुश होता जा रहा है। आपसी प्रेम व भाईचारा कम होता जा रहा है। कुछ अच्छा सोचें व करें। शायद यही समय की सच्ची माँग है। ज्ञान के बाद जो दीक्षा दे वही सद्‌गुरु है। वही अपने शिष्य को ईश्वर की अनुभूति करा सकता है। तभी तो भारतीय धर्म-दर्शन में सद्‌गुरु की महिमा का बखान किया गया है।

[4x5=20]

प्रश्न (i) शिष्य के जीवन में गुरू का क्या महत्त्व है ? समझाकर लिखिए।

प्रश्न (ii) 'जागृति' शब्द का क्या अर्थ है ? कौन, किसमें और कैसे जागृति लाता है ?

प्रश्न (iii) सच्चे शिष्य की क्या पहचान है ?

प्रश्न (iv) प्राचीन ऋषि मुनियों की कथा विशेषता थी ? उन्होंने हमें किस परम्परा से जोड़े रखा।

प्रश्न (v) आज के समय में सद्‌गुरु की आवश्यकता क्यों बढ़ गई है?

{Turn Over}

सद्‌गुरु चाहे तो शिष्य की जीवन दशा व दिशा दोनों ही बदल सकता है। सद्‌गुरु अयोग्य शिष्य को भी योग्य बनाए रखने के सदैव उसके पीछे लगे रहते हैं। वे जानते हैं कि शिष्य को क्या चाहिए। वह उसकी योग्यता के अनुसार उसे देते भी हैं। धर्मगुरु अपने शिष्य को कभी ओझल नहीं होने देता है।

प्राचीन ऋषि-मुनियों ने न ही गुरु परंपरा को ओझल होने दिया है और न ही दिव्य शिष्य को। जहाँ प्रेम है वहाँ गुरु का प्रादुर्भाव है। गुरु बनने के साथ-साथ उसकी अपने प्रति तो जवाबदेही होती ही है, साथ ही समाज के प्रति उसे अपने दायित्व का बोध भी होना चाहिए।

आज के समय में एक सद्‌गुरु की शायद आवश्यकता और भी बढ़ गई है क्योंकि समाज निरंकुश होता जा रहा है। आपसी प्रेम व भाईचारा कम होता जा रहा है। कुछ अच्छा सोचें व करें। शायद यही समय की सच्ची माँग है। ज्ञान के बाद जो दीक्षा दे वही सद्‌गुरु है। वही अपने शिष्य को ईश्वर की अनुभूति करा सकता है। तभी तो भारतीय धर्म-दर्शन में सद्‌गुरु की महिमा का बखान किया गया है।

[4x5=20]

प्रश्न (i) शिष्य के जीवन में गुरू का क्या महत्त्व है ? समझाकर लिखिए।

प्रश्न (ii) 'जागृति' शब्द का क्या अर्थ है ? कौन, किसमें और कैसे जागृति लाता है ?

प्रश्न (iii) सच्चे शिष्य की क्या पहचान है ?

प्रश्न (iv) प्राचीन ऋषि मुनियों की कथा विशेषता थी ? उन्होंने हमें किस परम्परा से जोड़े रखा।

प्रश्न (v) आज के समय में सद्‌गुरु की आवश्यकता क्यों बढ़ गई है?

{Turn Over}

Downloaded From www.cbseboard.org

3. **निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए :- (मुहावरे भी उतारिए)** [1x5=5]

(i) पाँचों उंगलियाँ घी में

(ii) आग में घी डालना

(iii) हाथ मलना

(iv) अपना उल्लू सीधा करना

(v) आँसू पोंछना

4. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए।** [1x5=5]

(i) पतिव्रता नारी को छूने का उत्साह कौन करेगा ।

(ii) परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए ।

(iii) दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गईं ।

(iv) मेरे आँसू से रूमाल भींग गया ।

(v) मेरे नए पते से चिट्ठियाँ भेजना ।

हिन्दी साहित्य

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है। [12½x4=50]

गद्य संकलन

(1) 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध में निबन्धकार का क्या उद्देश्य है ? किन दो घटनाओं के द्वारा निबन्धकार ने यह बताने का प्रयास किया है कि मनुष्यता अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है ? उन घटनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. **निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए :- (मुहावरे भी उतारिए)** [1x5=5]

(i) पाँचों उंगलियाँ घी में

(ii) आग में घी डालना

(iii) हाथ मलना

(iv) अपना उल्लू सीधा करना

(v) आँसू पोंछना

4. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए।** [1x5=5]

(i) पतिव्रता नारी को छूने का उत्साह कौन करेगा ।

(ii) परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए ।

(iii) दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गईं ।

(iv) मेरे आँसू से रूमाल भींग गया ।

(v) मेरे नए पते से चिट्ठियाँ भेजना ।

हिन्दी साहित्य

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है। [12½x4=50]

गद्य संकलन

(1) 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध में निबन्धकार का क्या उद्देश्य है ? किन दो घटनाओं के द्वारा निबन्धकार ने यह बताने का प्रयास किया है कि मनुष्यता अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है ? उन घटनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Downloaded From www.icseboard.org